BA-II (H)
मैथिली
पेपर -- चारि
Second Lecture

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि शिक्षक)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar

मैथिली भाषा शास्त्र

Topic भाषा ओ बोलीमे अन्तर

- भाषाक क्षेत्र अपेक्षाकृत पैघ होइछ एंव बोली के क्षेत्र अपेक्षाकृत छोट होइत अछि।
- एक भाषा मे एक वा अधिक बोली भ' सकैत मुदा कोनो बोलीमे एक वा अधिक भाषा नहि भ' सकैछ।
- बोली कोनो भाषासँ उत्पन्न होइछ। एहि रूपें भाषा ओ बोलीमे माय-बेटीक संबंध अछि।
- भाषाक मानक रूप होइछ परन्तु बोलीमे एहन बात नहि होइछ।

- अनेक बोलीक सामुहिक स्वरूपक नाम वस्तुतः भाषा थीक।
- कोनो भाषाक एक बोल अन्य बोली सँ भिन्नता रखितहुँ ओतेक अधिक भिन्न नहि होइछ।
- कोनो भाषाक एक बोल अन्य बोली सँ भिन्नता रखितहुँ ओतेक अधिक भिन्न नहि होइछ।

मैथिली भाषा विस्तृत क्षेत्रमे बाजल जाइत अछि। महापंडित राहुल सांकृत्यायनक मतानुसारे - मैथिली भाषा आ बोली प्रसार क्षेत्र दक्षिणमे देवघर तक आ उत्तरमे, नेपालक तराइ तक अछि।

अतः एहिमे कोनो संदेह नहि जे मैथिली एक सशक्त भाषा थिक। कोनो सशक्त मानक भाषाक अन्तर्गत ओकर अनेक 'बोली' निर्माण कालक्रमसँ क्षेत्रानुसारे होइत रहैत अछि। कारण, भाषा मिलनसार होइत अछि

(3)

तें ओकरा पर व्याकरणक भाषा आ तत्कालिक सामाजिक, राजनीतिक ओ आर्थिक प्रभाव (मानक भाषा पर) पड़ैत छैक। दोसर दिस मानक भाषामे व्याकरणक कठोरता जनसामान्यक लेल सहज नहि रहि जाइत अछि। तें मानक भाषामे क्षेत्रानुसारे परिवर्तन अबैत अछि, जकरा विभिन्न प्रकारक बोलीक नाम जानल जाइत अछि।

समाप्त

Samjit
13/04/20